बाँस आधारित कम लागत की निर्जमीकरण सुरंग बनाकर शुभारम्भ किया

झाँसी 21 अप्रैल, 2020।

केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी के वैज्ञानिकों श्री लाल चन्द एवं डॉ. संग्राम चव्हाण के सम्मिलित प्रयास तथा संस्थान के अन्य वैज्ञानिकों की सलाह से बाँस से निर्मित निर्जमीकरण सुरंग का निर्माण किया और इसे संस्थान के मुख्य द्वार के पास स्थापित किया है। सुरंग को नाईलॉन जाली से ढका गया है। इसे एक 500 ली. टंकी से आधा एच.पी. की मोटर, 1 इंची फिल्टर व 9 फोगर लगाकर तैयार किया गया। इसकी मदद से सोडियम हाइपोक्लोराईड के 1% घोल से फागिंग की जाती है। संस्थान में आने वाले सभी कर्मचारियों एवं निवासियों को इस सुरंग से निर्जमीकरण किया जा सकता है। शरीर पर सोडियम हाइपोक्लोराईड के संभावित दुष्प्रभाव के मद्देनजर इसके कम से कम उपयोग करने की एडवाईजरी दी गयी है। भविष्य में किसी अन्य रसायन का छिड़काव करने की एडवाईजरी आती है तो इस टनल का उपयोग निर्जमीकरण में किया जा सकता है। निर्जमीकरण पश्चात् सुरंग के बाहर लगे वॉष वेसिन पर हाथ धोने की सुविधा दी गयी है। इस तकनीकी को विकसित करने में लगभग 10 हजार रूपये का खर्च आया है। सुरंग बनाने के लिए बाँस का ढ़ांचा बनाया गया है, जो स्थानीय रूप से उपलब्ध है। इस तकनीकी से संस्थान में आने वाले कर्मचारियों व निवासियों को निर्जमीकृत करने में मदद मिलेगी।